सवेरे-सवेरे उठ बाप से मीठी-मीठी रूह रिहान करो
उनकी दी शिक्षाओं को उगारते रहो
ज्ञान की बातों का रमण करो
अपने आप से बाते करो, बाप को याद करो
बाप टीचर सतगुरु की निंदा कराने वाला कोई कर्म न करो
बाप की दी नॉलेज का सिमरण करो
किसी से घृणा न करो
नीरस वातावरण में खुशी की झलक लाना
अन्धकार के बीच रोशनी लाना
अशांति के अंदर शांति फैलाना
यही होता ऐवरहप्पी होना
अशरीरी माना शरीर का कोई आकर्षण आकर्षित न करे

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!